अज अदालत – उपखण्ड अधिकारी मुकाम – भदेसर जिला चित्तौडगढ

अम्बालाल गाडरी वगैर ।। बनाम ।। शांतिलाल ब्राहम्ण वगैर

किस्म मुकदमा प्रा0प0 अन्तर्गत धारा 128 एल.आर.ए. मुकदमा नम्बर. 66/2020

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज 2020/00057	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
15.06.2020	प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता जगदीशचन्द्र मेनारिया ने प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 एल0आर0ए0के तहत प्रस्तुत कर निवेदन किया कि प्रार्थीगण की आराजीयात **मौजा मानपुरा पटवार हल्का रेवलियाखुर्द तहसील भदेसर में स्थित खाता संख्या 104 में अंकित आराजी किता 5 कुल रकबा 0.5700 हैक्टेयर एवं खाता संख्या 105 की आराजी किता 1 कुल रकबा 0.4400 हैक्टेयर खाता संख्या 130 की आराजी किता 8 कुल रकबा 2.1400 हैक्टैयर खाता संख्या 129 की आराजी किता 1 कुल रकबा 0.1800 हैक्टैयर खाता संख्या 131 की** आराजी किता 2 कुल रकबा 0.3500 हैक्टेयर होकर उक्त आराजी के विपक्षीगण पडोसी है। ताईद में नकल जमाबन्दी एवं नक्शा ट्रेस संलग्न है। उक्त आराजीयात के सीमा चिन्ह नहीं होने से विपक्षीगण से आये दिन सीमा संबंधी विवाद होता है उक्त विवाद से बचने के लिए आराजीयात की पत्थरगढी कराई जावे । वकील प्रार्थी की बहस एक पक्षीय सुनी गई। पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व अभिलेख का अवलोकन किया गया । जैर बहस आलौच्य आराजीयात प्रार्थीगण के खातेदारी में दर्ज रेकार्ड होकर उन्हें नपती कराने का स्वत्व निहीत है । अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र 128 एल.आर.ए. स्वीकार किया जाता है तथा तहसीलदार भदेसर को 3000/– अक्षरे तीन हजार रूपये फीस पर कमीशनर नियुक्त किया जाता है कि मुकदमा पक्षकारान् को अपने स्तर पर सूचना पत्र जारी किए जाकर बाद सुनवाई उनकी मौजूदगी में **मौजा मानपुरा पटवार हल्का रेवलियाखुर्द तहसील भदेसर में स्थित खाता संख्या 104 में अंकित आराजी किता 5 कुल रकबा 0.5700 हैक्टेयर एवं खाता संख्या 105 की आराजी किता 1 कुल रकबा 0.4400 हैक्टेयर खाता संख्या 130 की आराजी किता 8 कुल रकबा 2.1400 हैक्टैयर खाता संख्या 129 की आराजी किता 1 कुल रकबा 0.1800** [illegible] **खाता संख्या 131 की** आराजी किता 2 कुल रकबा 0.3500 [illegible] नक्शा बंदोबस्ती अनुसार बिना किसी के कब्जे [illegible] दिये भूमि की बाद पैमाइश पत्थरगढी कराई जावे तथा पत्थरगढी के पत्रावली एवं पक्षकारान् के जारी सूचना पत्र न्यायालय में एक माह में प्रस्तुत करें । इसी आशय का हुक्मनामा जारी हो। निर्णय खुले न्यायालय लिखाया जाकर सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो । (अंजु शर्मा)	

Signature Not Verified

Digitally signed by Anju Sharma
Date: 2021.03.31 12:07:32 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner